प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

स्वीट कार्न किसानों के लिए मुनाफे की फसल

पंतनगर। २२ मई २०१८। खेती में बढ़ती लागत और कम प्राप्त होती आय, किसानों को खेती से दूर कर रही है, लेकिन किसान भाई अगर स्वीट कार्न (मीठा मक्का) की खेती करे तो वह एक निश्चित क्षेत्र से दाने वाली मक्का की तुलना में दुगुनी आय अर्जित कर सकते है, यह कहना है कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक, डा. अमित भटनागर का।

स्वीट कार्न एक विशेष प्रकार की मक्का है जो कि सामान्य मक्का की तुलना में अधिक मीठी होती है इसलिए इसे स्वीट कार्न (मीठी मक्का) कहते हैं। स्वीट कार्न की खेती वर्ष भर करके इससे कम समय में अधिक लाभ कमाया जा सकता है। स्वीट कार्न की घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक मांग होने के कारण इसको डिब्बाबंदी करके निर्यात भी किया जाता है। शहर के आस-पास के क्षेत्रों में स्वीट कार्न की खेती किसानों के लिए अधिक लाभकारी है। कम समय में अधिक आय अर्जित करने के लिए इसकी खेती किसानों की आत्म निर्भरता और रोजगार के लिए उत्तम विकल्प है।

स्वीट कार्न की खेती, सामान्य मक्के की खेती की भांति ही की जाती है, अंतर केवल बीज दर तथा किस्मों में होता है। इसकी प्रसिद्ध किस्म, माधुरी है जिसकी तुड़ाई खरीफ ऋतु में ७०-७५ दिन में कर ली जाती है। इसके अलावा प्रिया, अल्मोड़ा स्वीट कार्न, आरेन्ज स्वीट कार्न के साथ शुगर-७५ किस्में प्रमुख हैं। इसकी ८-१० कि.ग्रा. बीज की मात्रा, प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त होती है।

स्वीट कार्न के भुट्टों की तुड़ाई, बुवाई के ७०-७५ दिन पर यानि दूधिया अवस्था पर की जाती है। यह अवस्था भुट्टों में रेशों के निकलने के १८-२० दिन बाद आती है। भुट्टा तोड़ते समय उसके ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए क्योंकि पत्तियों को हटाने से यह जल्द सूख जाते हैं।

स्वीट कार्न की उपज बोई गई किस्म, सस्य प्रबंधन और मौसम पर निर्भर करती है। औसत उत्पादन की बात करें तो १५० कुन्तल स्वीट कार्न प्रति हैक्टेयर क्षेत्र से प्राप्त की जा सकती है जिसे १० रूपये प्रति कि.ग्रा. की दर से विक्रय करने पर १.५ लाख रूपये प्राप्त होते है और खेती की लागत लगभग रू. ४५-५० हजार प्रति हैक्टेयर होती है, लागत निकालने के बाद लगभग १ लाख रूपये शुद्ध लाभ किसान भाई प्राप्त कर सकते है, वहीं सामान्य मक्का से ५०-६० कुन्तल दाना प्रति हैक्टेयर उत्पादित होता है जिसको १५ रूपये प्रति कि.ग्रा. की दर से बेचने पर और लागत निकालने पर लगभग ५० हजार रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से किसान लाभ प्राप्त करता है। अतः यह स्पष्ट है कि सामान्य मक्के की तुलना में स्वीट कार्न से किसान भाई प्रति हैक्टर दुगनी आय प्राप्त कर सकते हैं। स्वीट कार्न की तुड़ाई के तुरन्त बाद इसे बेचना जरूरी होता है क्योंकि इसमें गुणवत्ता का ह्रास होने लगता है तथा इसका कम मूल्य मिलता हैं। अतः किसान भाईयों को इसकी खेती करते समय बाजार की मांग, ले जाने की व्यवस्था और परिवहन सुविधा का ध्यान रखना होगा।

(ज्ञानेन्द्र शर्मा)
निदेशक संचार